

---

# Devaih Kritam Purushottama Stotram

——  
दिवैः कृतं पुरुषोत्तमस्तोत्रम् ८

——  

## Document Information



---

Text title : Devaih Kritam Purushottama Stotram

File name : devaiHKRRitaMpurushottamastotram08.itx

Category : vishhnu, vishnu, lakShmInArAyaNIyasaMhitA, stotra

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : lakShmInArAyaNIyasaMhitA | khaNDa 3 | adhyAya 4/30-37||

Latest update : February 28, 2026

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 28, 2026

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Devaih Kritam Purushottama Stotram

---

दैवैः कृतं पुरुषोत्तमस्तोत्रम् ८

---



मृतप्राया अलवँश्च देवाश्चाऽमृतवर्जिताः ।  
किरणाधारशुवाश्च सर्वे मरणाशालिनः ॥ ४.३० ॥

तदा जाताश्चाथ देवाः स्वगुरोः शरणं ययुः ।  
सद्यस्यतिर्देवगुरुश्चाऽस्तौन्मां परमेश्वरम् ॥ ३१ ॥

यन्द्रस्य रक्षाणार्थाय लोकरक्षाण्डेतवे ।  
नमो देवाधिदेवाय सूर्ययन्द्रप्रयक्षुषे ॥ ३२ ॥

सर्वान्तर्यामिणे रक्षाकराय परमात्मने ।  
पुरुषोत्तमसंज्ञाय सुधाप्रदाय शार्ङ्गिणे ॥ ३३ ॥

ग्रहनक्षत्रताराणां भास्कराय मडात्मने ।  
नमश्चान्तरवेधाय याऽलक्तक्षयकारिणे ॥ ३४ ॥

समायाडि उरे शीघ्रं रक्षां त्वं शशिनः कुरु ।  
मडादेवो ध्यानमग्नश्चिरकारी विराजते ॥ ३५ ॥

शीघ्रं धूम्राद्रक्ष मुक्तपते श्रीपरमेश्वर ।  
स्तुतश्चैवं तदा याडं नारायणीन्नि! सत्वरम् ॥ ३६ ॥

त्वया साडं त्वाजगाम देवगुरोर्गुडं द्विवि ।  
द्रागेवाऽदृश्यरूपोऽपि तदङ्गे मानसः सुतः ॥ ३७ ॥

ॐ श्रीलक्ष्मीनारायणीयसंछितायाः द्वापरयुगसन्तानात्मकस्य तृतीयभएडे  
यतुर्थाध्यायान्तर्गतं दैवैः कृतं पुरुषोत्तमस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

लक्ष्मीनारायणीयसंछिता । भएड ३ । अध्याय ४/३०-३७ ॥

lakShmInArAyaNIyasaMhitA . khaNDa 3. adhyAya 4/30-37..

Proofread by PSA Easwaran

——  
*Devaih Kritam Purushottama Stotram*

pdf was typeset on February 28, 2026

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

